

डॉ. डैनियल के. डार्को, जेल पत्र, सत्र 14, सतर्कता का आह्वान, फिलिप्पियों 3:1-6

© 2024 डैन डार्को और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डैन डार्को और जेल पत्रों पर उनकी व्याख्यान श्रृंखला है। यह सत्र 14 है, सतर्कता का आह्वान, फिलिप्पियों 3:1-6।

जेल पत्रों पर हमारी बाइबिल अध्ययन व्याख्यान श्रृंखला में आपका स्वागत है। हम अब तक फिलिप्पियों पर विचार कर रहे हैं, और मुझे आशा है कि आप इस व्याख्यान को ध्यान से सुन रहे होंगे।

मैं बस वहीं से शुरू करना चाहूँगा जहाँ हमने अपने पिछले व्याख्यान में छोड़ा था। हमने चर्चा की कि कैसे डर और काँपते हुए अपने उद्धार के लिए काम किया जाए, जिसका मुख्य शीर्षक मैंने अपील टू शाइन रखा। आपको याद होगा कि मैंने आपको पौलुस के निर्देश के बारे में याद दिलाया था कि डर और काँपते हुए अपने उद्धार के लिए काम किया जाए और कैसे उसने उस रूपरेखा को स्थापित किया जो उसने पहले कही थी कि मसीह आज्ञाकारिता का एक उदाहरण है ताकि चर्च उस गुण को चुने और उसे अपनाए।

निर्देश के दौरान, वह स्पष्ट बातें बताता है, उन्हें अपने आचरण के बारे में सोचने और खुद को इस तरह से संचालित करने के लिए कहता है जिससे परमेश्वर की महिमा हो। मैंने आपका ध्यान श्लोक 15 की ओर आकर्षित किया, जो मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से एक बहुत ही दिलचस्प श्लोक है। यह चर्च से इस दुष्ट और कुटिल दुनिया में खुद को निर्दोष और मासूम दिखाने की कोशिश करने के लिए कहता है। और फिर, पिछले व्याख्यान के अंत में, यदि आपको याद होगा, तो मैंने आपका ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि कैसे पॉल ने दो उदाहरण उठाए हैं जिन्होंने चर्च के लिए अनुकरण करने के लिए आज्ञाकारिता का संकेत भी दिखाया है।

मैंने आपके साथ तीमुथियुस पर चर्चा की और आपको इपफ्रदीतुस से परिचित कराया। तीमुथियुस पर, मैंने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि पॉल के बारे में सोचते समय हम जिस चीज़ को आम तौर पर भूल जाते हैं, वह है पॉल की अपने सहकर्मियों को चुनने और उन गुणों को स्पष्टता से बताने की महान क्षमता जो सराहनीय हैं और जिन लोगों को वह लिखता है, उनके लिए उल्लेख करने योग्य हैं। जिस चीज़ पर मैं व्यक्तिगत रूप से काम कर रहा हूँ, वह है लोगों को देखने और उनकी सराहना करने में सक्षम होना, क्योंकि दुनिया बहुत नकारात्मक है।

लोगों को सभी नकारात्मक चीज़ों के बारे में बात करना पसंद है। अब आइए हम और करीब से देखें कि पौलुस ने तीमुथियुस के अलावा दूसरे उदाहरण के बारे में क्या कहा है, जिसका ज़िक्र वह अध्याय 2 के अंत में इपफ्रदीतुस के नाम से करता है। हमने पिछले व्याख्यान को आपको यह चार्ट दिखाकर समाप्त किया था, जो दर्शाता है कि इपफ्रदीतुस पर इन तीन प्रमुख क्षेत्रों में चर्चा की जाएगी।

सेवा में साथीपन, घायल सैनिक का स्वास्थ्य, तथा वापस लौट रहे सैनिक का स्वागत। आप पूछ रहे होंगे कि इस सैनिक का क्या विचार है। खैर, यह मेरा विचार नहीं है क्योंकि पॉल स्वयं सैन्य भाषा का उपयोग करता है, तथा आप देखेंगे कि इस व्याख्यान के दौरान अध्याय 3 में जाने पर भी पॉल अपनी बात कहने में सक्षम होने के लिए सैन्य भाषा, तथा एथलेटिक भाषा सीखने में कैसे रुचि रखता है। इपफ्रदीतुस ने कड़ी मेहनत की है।

उसने अपनी जान जोखिम में डाल दी है। उसने अपनी जान जोखिम में डाल दी, ताकि वह वही कर सके जिसके लिए परमेश्वर उसे बुला रहा है। दूसरे शब्दों में, उसने यह सब मसीह की आज्ञाकारिता में किया।

आइए सेवा में साथीपन पर नज़र डालें। शायद इससे पहले कि हम और विस्तार से जानें, मुझे अध्याय 2 की आयत 25 से यह अंश पढ़ना चाहिए। मैंने इपफ्रदीतुस को तुम्हारे पास भेजना ज़रूरी समझा, जो मेरा भाई और सहकर्मी और साथी सैनिक है, और तुम्हारा संदेशवाहक और मेरी ज़रूरतों का सेवक है, क्योंकि वह तुम सब के लिए तरस रहा था और व्यथित था क्योंकि तुमने सुना कि वह बीमार है। वास्तव में, वह मरने के करीब बीमार था, लेकिन भगवान ने उस पर दया की और न केवल उस पर बल्कि मुझे पर भी ताकि मुझे दुःख पर दुःख न हो।

मैं उसे भेजने के लिए और भी उत्सुक हूँ ताकि तुम उसे फिर से देखकर आनन्दित हो सको और मैं कम चिंतित हो जाऊँ। इसलिए, उसे प्रभु में पूरे आनन्द के साथ स्वीकार करो और ऐसे व्यक्ति का आदर करो, क्योंकि वह मसीह के कार्य के लिए लगभग मर गया था, और अपनी जान जोखिम में डालकर तुम्हारी सेवा में जो कमी रह गई थी उसे पूरा किया। पौलुस इस व्यक्ति के इन गुणों को स्पष्ट करेगा, जिसके बारे में हमें लगता है कि वह फिलिप्पी की कलीसिया को पत्र का वाहक होगा।

पॉल द्वारा इस भाईचारे का वर्णन करने से पता चलता है कि इपफ्रदीतुस नामक व्यक्ति एक भाई है। अब, मैं आपको यह समझाना चाहता हूँ, और मुझे आशा है कि इस व्याख्यान के दौरान आप इस बात को समझ रहे होंगे, कि रिश्तेदारी की भाषा पॉल द्वारा ईसाई रिश्तों की रूपरेखा निर्धारित करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उसे भाई कहने का मतलब यह नहीं है कि वे खून के भाई-बहन हैं, बल्कि इस भाषा का उपयोग परमेश्वर के बच्चों के रूप में उनके आपसी जुड़ाव को दिखाने के लिए किया जाता है।

अगर आपको याद हो कि फिलिप्पियों के व्याख्यान की शुरुआत में परमेश्वर के बच्चों का जिक्र करते हुए पिछला व्याख्यान था, तो परमेश्वर पिता है। पॉल कहते हैं कि इपफ्रदीतुस एक भाई है। वह मेरे लिए एक प्रिय व्यक्ति है।

इतना ही नहीं, वह मेरा सहकर्मी है। उसने मेरे साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। उसने मेरे साथ मिलकर काम किया।

पॉल चाहता था कि फिलिप्पी में चर्च इपफ्रदीतुस को अच्छी तरह से जाने और जो जल्द ही पॉल से एक पत्र लेकर उससे मिलने आए कि यह आदमी रोम आने पर आलसी नहीं था। उसने पॉल के

साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। पॉल ने उसे बुलाया। हम नहीं जानते कि यह अनुभव उसके कारावास से पहले का था या नहीं, लेकिन पॉल उसे एक साथी सैनिक कहता है।

वाह, पॉल की यह बात दिलचस्प है, है न? क्योंकि ये कुछ ऐसी चीजें हैं जो पॉल को करना पसंद था। पॉल को मसीह के लिए लड़ने वाले एक सैनिक के रूप में अपना काम देखना पसंद था। धर्मयुद्ध को जिस तरह से हम समझते हैं, उस तरह से नहीं, लोगों के सिर पर सुसमाचार थोपने के अर्थ में नहीं, लेकिन अगर आपको याद हो, उदाहरण के लिए, इफिसियों में, वह उस लड़ाई के बारे में बात करता है जो एक आध्यात्मिक लड़ाई है।

पॉल अपने दोस्तों के साथ मिलकर, सभी बाधाओं के बावजूद मसीह का संदेश पहुँचाते हुए और सुसमाचार को प्रचारित करने के लिए संघर्ष करते हुए और प्रयास करते हुए शामिल है। इपफ्रदीतुस उस युद्ध के मोर्चे पर एक साथी सैनिक था। वह एक प्रेरित और संदेशवाहक था।

वह एक ऐसा व्यक्ति था जिसे चर्च ने रोम में पॉल की मदद करने के लिए भेजा था। पॉल स्वीकार कर रहा है कि, वास्तव में, उसने अपना काम किया। उसने उसका एक वफादार धार्मिक सहायक बनकर अपना काम किया।

वह एक साथी है। वह फिलिप्पी और बाकी रोमन साम्राज्य की कुटिल और अंधेरी दुनिया में मसीह को जानने की लड़ाई में एक साथी है। इपफ्रदीतुस, पॉल अपने स्वास्थ्य का उल्लेख करता है, और पॉल वास्तव में एक घायल सैनिक की छवि में अपने स्वास्थ्य की व्याख्या करता है।

मैं आपका ध्यान यहाँ कुछ बातों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। पौलुस उनकी चिंता से व्यथित है। इपफ्रदीतुस खुद भी वास्तव में व्यथित है, और लोग उसके स्वास्थ्य के बारे में बहुत चिंतित हैं।

मैं आपको उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बाद में और बताऊंगा। पॉल कहते हैं कि उनकी बीमारी इतनी गंभीर थी कि वे लगभग मर ही गए थे। अगर आप अमेरिका में रहते हैं, तो शायद आपको यह सुनने में कोई परेशानी न हो।

आप शायद सिर्फ एक जानलेवा बीमारी के बारे में सोचते होंगे, लेकिन इस बार रोमन साम्राज्य में, यह कुछ ऐसी बुनियादी बीमारियाँ हो सकती हैं जिनका आसानी से इलाज किया जा सकता है लेकिन फिर भी वे उसे मार सकती हैं। वह आदमी लगभग मौत के कगार पर पहुँच गया और हार नहीं मानी। उसने अपनी जान जोखिम में डालकर वह काम पूरा किया जो वे पॉल के साथ करना चाहते थे।

वह हार नहीं मानता था। वह एक ऐसा व्यक्ति था जो परमेश्वर द्वारा बुलाए जाने वाले काम को करने के लिए पूरी तरह से समर्पित था, यहाँ तक कि जब उसकी अपनी जान भी दांव पर लगी होती थी। वह हार नहीं मानता था।

क्या आपको याद है जब हमने मसीह की कहानी के बारे में बात की थी? पौलुस चाहता था कि वे जानें कि इपफ्रदीतुस भी एक उदाहरण था। मसीह क्रूस तक जाने के लिए तैयार था। इपफ्रदीतुस ने अपनी जान नहीं बख्शी।

वह चाहे अपनी जान भी दे दे, लेकिन परमेश्वर ने उसे जो करने के लिए बुलाया था, उसका पालन करने के लिए वह तैयार था—पौलुस के साथ सेवकाई की अग्रिम पंक्ति में सेवा करना। और पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने उस पर दया की।

माफ़ करें, मैं आपके साथ बहुत सारी निजी कहानियाँ साझा कर रहा हूँ। मैं घाना के एक छोटे से गाँव में पला-बढ़ा हूँ। मेरा गाँव 17 मील दूर था।

मेरे गांव से सबसे नजदीकी अस्पताल 17 मील दूर था। यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका में रहते हुए, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका में, जिसे आप क्लीनिक कहते हैं, वह उस समय के अस्पताल के बराबर है। स्वास्थ्य प्रणाली इतनी कमजोर थी।

अगर मेरे गांव में कोई बीमार होता था, तो कभी-कभी अगर हमें सांप काट लेता था, तो अस्पताल पहुंचने से पहले ही वह व्यक्ति मर जाता था। आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि उस समय परिवहन का कोई साधन नहीं था, और सड़कें भी खराब थीं। शुक्र है कि अब सड़कें अच्छी हैं, और शहर में रोशनी है।

ईसाई मिशनरियों और ईसाई कार्यकर्ताओं को इस मोर्चे पर बहुत कष्ट सहना पड़ता है। जब भी मुझे वहां मंत्रालय करने का मौका मिलता है, तो मुझे ऐसे लोगों के संपर्क में आना पड़ता है जो मुश्किल परिस्थितियों में होते हैं, और उनके पास सिर्फ एक ही विकल्प होता है। मदद के लिए स्थानीय जादूगर से संपर्क करें या इंतज़ार करके मर जाएं।

दूसरा दुर्लभ विकल्प सड़क के किनारे प्रतीक्षा करना और आशा करना है कि अस्पताल की दिशा में जाने के लिए कोई वाहन आ रहा है ताकि आप जाकर इलाज करवा सकें। मेरे गाँव के ईसाई मानते हैं कि अगर ईश्वर बीमारों पर दया नहीं करता है, तो वे प्रार्थना करते हैं, तो यह उन बुतपरस्तों और जादूगरों के लिए मज़ाक हो सकता है कि ईश्वर स्वयं मददगार नहीं है। शायद आपको इस बात का अंदाजा हो गया होगा कि मैं मसीह के साथ अपने काम के प्रति इतना भावुक क्यों हूँ।

इपाफ्रोडिटस, फ्रंट लाइन स्टाफ। इपाफ्रोडिटस पहली सदी में रोम में बीमार था। एक प्रसिद्ध तीर्थस्थल या स्वास्थ्य उपचार के लिए एक जगह है एस्क्लेपियस का तीर्थस्थल।

हो सकता है कि सिस्टम में नकली डॉक्टर हों, लेकिन किसी भी तरह की बुतपरस्ती के साथ समझौता किए बिना, चाहे आपकी स्वास्थ्य स्थिति कुछ भी हो, एक अच्छा इलाज पाना मुश्किल होगा। पॉल ने कहा कि उसने अपनी जान जोखिम में डाली। उसने उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेवा की।

उसकी बीमारी ने उसे लगभग मार ही डाला था, लेकिन यह प्रशंसा रिपोर्ट है। शायद जब तक मैंने आपको वह कहानी नहीं बताई जो मैंने अभी साझा की है, तब तक आप यह नहीं समझ पाए होंगे कि जब मैंने वह पंक्ति पढ़ी तो मुझे कैसा महसूस हुआ, और भगवान ने इपफ्रदीतुस पर दया की। उन्होंने प्रार्थना की, और भगवान ने हस्तक्षेप किया।

उन्होंने परमेश्वर से इस वफ़ादार सैनिक के जीवन में हस्तक्षेप करने के लिए कहा, और परमेश्वर ने खुद को महिमा दी। चर्च को यह जानने की ज़रूरत है कि न केवल यह व्यक्ति मसीह के कारण आज्ञाकारिता में अपने जीवन का बलिदान करने के लिए तैयार था, बल्कि परमेश्वर उस समय उसके लिए सच्चा होने के लिए तैयार था जब इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी। परमेश्वर ने उसे नहीं छोड़ा था।

इसका मतलब यह नहीं है कि मसीहियों को मुश्किल समय से नहीं गुजरना पड़ेगा। मैं यह नहीं कह रहा हूँ, बल्कि मैं यह कह रहा हूँ कि पौलुस हमारा ध्यान ईसाई मिशनरी कार्य की सबसे कठिन परिस्थिति की ओर आकर्षित कर रहा है, जहाँ दुनिया को उस परमेश्वर का मज़ाक उड़ाने का अवसर मिलेगा जिस पर हम विश्वास करते हैं। परमेश्वर ने एक वफ़ादार साथी, इपफ्रदीतुस पर दया की।

इसके बारे में सोचिए—आज्ञाकारिता का कार्य। कभी-कभी, आज्ञाकारिता का कार्य जीवन में कठिन चीजों की ओर ले जा सकता है।

मसीह ने कभी भी हमें कष्ट-मुक्त ईसाई धर्म का वादा नहीं किया। वास्तव में, यह पॉल ही था जिसने कहा था कि जो लोग मसीह के अनुयायी बनना चाहते हैं उन्हें कष्ट सहने के लिए तैयार रहना चाहिए। कष्ट हमारी कहानी का हिस्सा है, लेकिन भगवान मुश्किल समय में भी हस्तक्षेप करते हैं।

और इसलिए, परमेश्वर अनुपस्थित नहीं है। जब मैं इस विषय के बारे में सोचता हूँ तो मुझे भजन 23 की आयत 4 पसंद आती है, जो कहती है, भले ही मैं मृत्यु की छाया की घाटी से गुज़र रहा हूँ, हाँ, जब मैं अपने जीवन के सबसे विश्वासघाती समय से गुज़र रहा हूँ, तो मैं किसी बुराई से नहीं डरूँगा क्योंकि आप मेरे साथ हैं। ऐसा नहीं है कि मैं मुश्किल समय से नहीं गुज़र सकता, लेकिन मेरे सबसे मुश्किल समय में, आपकी उपस्थिति मेरे साथ है।

यह सांत्वना है। कभी-कभी, वह चमत्कारिक ढंग से हस्तक्षेप करता है। पॉल कहते हैं कि परमेश्वर ने उस पर दया की।

महान दैवीय हस्तक्षेप दिखाओ। और वह आगे कहता है, इस आदमी के लिए, वह तुम्हारे पास आने वाला है, और मैं चाहता हूँ कि तुम उसका खुले हाथों से स्वागत करो। वह एक घायल सैनिक की तरह तुम्हारे पास आ रहा है।

उसने सभी लड़ाइयाँ लड़ीं। उसने सुसमाचार के लिए लड़ाई लड़ी। उसने अपने जीवन के लिए लड़ाई लड़ी, और यह सब उसने मसीह की आज्ञाकारिता में किया।

और वह तुम्हारे पास आ रहा है। वह मेरा एक पत्र लेकर आ रहा है। कृपया उसका स्वागत करो।

कल्पना कीजिए कि आप उस पत्र के वाहक हैं। आप जानते हैं कि यह आपके बारे में कहा गया है। यह आपके बारे में सच्ची कहानी है, लेकिन यह आपके बारे में भी कहा गया है।

और आप इसे एक ऐसे चर्च को दे रहे हैं जो आपको बहुत अच्छी तरह से जानता है। कल्पना कीजिए कि आपका रवैया और भावना क्या होगी। कल्पना कीजिए कि जब चर्च को यह पत्र मिलेगा तो वे आपकी प्रतिक्रिया और प्रतिक्रिया कैसे करेंगे।

लेकिन पॉल किसी भी बात को हल्के में नहीं लेना चाहता। वह अभी भी उनसे अपील करना चाहता है कि वे इस लड़के का स्वागत करें। प्रभु में उसका स्वागत पूरी खुशी के साथ किया जाना चाहिए।

बहुत खुशी के साथ। क्योंकि वह सम्मान के साथ स्वागत किए जाने के हकदार हैं। उन्होंने सेना में सम्मानपूर्वक सेवा की, जो सम्माननीय है और एक सम्मानजनक छुट्टी है।

अगर मैं पॉल के मुंह से यह बात कहूं तो मैं कहूंगा कि इपफ्रदीतुस नाम का यह आदमी एक सम्माननीय व्यक्ति है। वह पूरी खुशी के साथ स्वागत किए जाने का हकदार है। वह वापस आ रहा है।

वह एक सैनिक की तरह लौट रहा है जिसके शरीर पर घाव के निशान हैं। वह ऐसे व्यक्ति की तरह लौट रहा है जिसने अपने जीवन के साथ जुआ खेला है। वास्तव में, श्लोक 29 कहता है, इसलिए उसे प्रभु में पूरे आनंद और सम्मान के साथ स्वीकार करें।

और ऐसे लोगों का सम्मान करें, क्योंकि वह मसीह के कार्य के लिए लगभग मर गया था। आपको यह जानने की आवश्यकता है कि उसने अपनी जान जोखिम में डाली, पॉल ने पद 30 में लिखा है, ताकि आपकी सेवा में जो कमी थी उसे पूरा किया जा सके। इसलिए, वह अध्याय दो को इस तरह से समाप्त करेगा, मैं आपको एकता के लिए बुलाता हूँ और मुझे उस मानसिकता की आवश्यकता है जो आपको इस एकता को बरकरार रखने में सक्षम होने की आवश्यकता है।

मसीह उस मानसिकता का आदर्श है। यह विनम्रता और आज्ञाकारिता की मानसिकता है। वह आगे कहता है, मैं चाहता हूँ कि तुम अवज्ञा में चलो, और डरते और काँपते हुए अपने उद्धार का काम पूरा करो।

इसका एक उदाहरण है, एक ऐसा आचरण दिखाना जो उन लोगों के लिए उचित है जो प्रभु का नाम पुकारते हैं। मैं आपको ऐसे लोगों का उदाहरण दिखाता हूँ जिन्होंने ऐसा ही किया है। वह आपको दिखाता है, तीमुथियुस।

और इस व्याख्यान की शुरुआत में, वह आपको इपफ्रदीतुस दिखाता है। वे आज्ञाकारिता में चले और पौलुस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हुए अपने जीवन का बलिदान करने के लिए तैयार थे। यह हमें अध्याय तीन में ले आता है, जहाँ पौलुस वास्तव में कुछ कथन करने जा

रहा है जिसका मैंने आपको पहले परिचय में उल्लेख किया था जो विद्वानों के लिए कुछ प्रश्न उठाएंगे।

अध्याय तीन में जल्दी ही यह कहा जाएगा कि, अंत में, मेरे भाइयों, मैं प्रभु में आनन्दित होकर तुम्हें भी यही बातें लिख रहा हूँ। मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है। और यह तुम्हारे लिए सुरक्षित है।

और यह आपके लिए सुरक्षित है। याद रखें कि इससे पहले की आयत में वह वास्तव में उनसे पहले की दो आयतों में पूछ रहा है; वह उनसे इपफ्रदीतुस को पूरे आनन्द के साथ स्वीकार करने के लिए कह रहा है। अब, वह कहता है कि वह उनसे प्रभु में आनन्दित होने के लिए कह रहा है।

और फिर वह दूसरी आयत में कहता है, कुत्तों से सावधान रहो। और फिर तुम उन्हें कुछ बातों पर सावधान करो। और वह कहेगा, तुम जानते हो कि अगर हम उन लोगों के बारे में बात कर रहे हैं जिनके पास शरीर में घमंड करने के लिए चीजें हैं और जो समस्याएं और ऐसी ही अन्य चीजें पैदा करते हैं।

अब, मैं आपको एक और उदाहरण देना चाहता हूँ। दूसरा उदाहरण मैं, पॉल, न कि मैं, डार्को, पॉल होगा। पॉल खुद को उनके अनुसरण के लिए एक और उदाहरण के रूप में पेश करेगा।

लेकिन आइए कुछ बुनियादी मुद्दों पर बात करें जो अध्याय तीन की शुरुआत में हैं, इससे पहले कि हम विवरण पर आगे बढ़ें। अध्याय तीन एक संक्रमण कथन से शुरू होता है जिसका अक्सर अंत में अनुवाद किया जाता है। उस विशेष मामले में, मुझे संक्रमण कथन नहीं कहना चाहिए क्योंकि कुछ लोग तर्क देते हैं कि यह संक्रमण कथन नहीं हो सकता है।

यहाँ मुख्य मुद्दा यह है कि जिस शब्द का अनुवाद किया गया है; ग्रीक शब्द का शाब्दिक अनुवाद होगा बाकी, बचा हुआ, या दूसरा। आप वास्तव में इसका अनुवाद अंत में कर सकते हैं जिसका अर्थ है निष्कर्ष। या आप इसका अनुवाद अब से भी कर सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि हम अभी हैं; हम बस रुकते हैं, और हम यहाँ से आगे बढ़ने वाले हैं।

मेरे अनुसार, उस विशेष वाक्यांश को वास्तव में पढ़ना अच्छा हो सकता है। वे दो शब्द एक संक्रमण या एक सूत्र के रूप में हैं जो अध्याय दो के अंत को अध्याय एक, अध्याय तीन की शुरुआत से जोड़ता है। और मैं आपको समझाऊंगा कि क्यों। क्योंकि जो लोग कहते हैं कि हमें इसका अंतिम अनुवाद करना चाहिए, वे सभी नहीं, लेकिन उनमें से कुछ ऐसे भी हैं जो तर्क देते हैं कि फिलिप्पियों वास्तव में दो अक्षर हैं।

तभी पौलुस ने आखिरकार कहा कि उसने अध्याय तीन की पहली आयत में पत्र समाप्त कर दिया है। और इसलिए अध्याय तीन, दूसरी आयत, एक बिलकुल अलग पत्र की शुरुआत करती है। मैं इसके विपरीत तर्क देता हूँ, जैसा कि आपने मुझे परिचय में कहते सुना।

तो मैं आपको कुछ बातें बताना चाहता हूँ, अगर आप फिलिप्पियों की प्रस्तावना भूल गए हैं, तो मैंने जल्दी से उन्हें बता दिया। मैंने आपका ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया कि अध्याय

तीन की पहली आयत और अध्याय तीन की दूसरी आयत के बीच अचानक हुए परिवर्तन को अक्सर इस बात के प्रमाण के रूप में उद्धृत किया जाता है कि ये दो पत्र हैं जिनमें विभाजन है। और जो लोग यह तर्क देते हैं, वे आधुनिक तुर्की में स्मिर्ना के बिशप, एक प्रमुख चर्च इतिहासकार का हवाला देते हैं।

पॉल के समय तक, जो वास्तव में जॉन का समकालीन था, पॉलीकार्प ने लिखा था कि वह फिलिप्पी को पॉल के पत्रों के बारे में जानता था, और उसने बहुवचन पत्रों का उपयोग किया था। इसलिए जो लोग यह तर्क देते हैं, वे कहते हैं, ओह, वास्तव में, अध्याय तीन, श्लोक एक का अनुवाद अंत में यह कहने के लिए किया जाना चाहिए कि यह समाप्त होता है, और फिर तीन, श्लोक दो एक अलग पत्र जारी रखता है, और कोई उन्हें एक साथ जोड़ता है। पॉलीकार्प जानता है कि ये दो पत्र हैं, और यही कारण है कि फिलिप्पियों एक पत्र नहीं है।

मुझे लगता है कि पिछले 10 सालों में, शायद फिलिप्पियों पर मैंने जो टिप्पणियाँ पढ़ी हैं, उनमें विद्वान खुद को इस तर्क से दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन मुझे कहना चाहिए कि कुछ ऐसे भी हैं जो अभी भी पीछे नहीं हटेंगे। मैं एनटी राइट को उद्धृत करना पसंद करता हूँ जो कहते थे कि उदारवादियों ने सोचना बंद कर दिया है।

कुछ लोग सिर्फ बाइबल को बदनाम करना चाहते हैं, और इसलिए भले ही उनके पास तर्क न हों, फिर भी वे किसी भी तरह अपनी आवाज़ बुलंद करना चाहते हैं। लेकिन आप जानना चाहते हैं कि फिलिप्पियों के परिचय में मैंने जो तर्क आपके सामने पेश किया था, वह आज भी इस संदर्भ में कायम है। इस बात का समर्थन करने के लिए कोई आंतरिक सबूत नहीं है कि इसे पूरा करने के लिए इस परीक्षण में कुछ लाया गया था।

इस बात का समर्थन करने के लिए कोई वास्तविक सबूत नहीं है कि दो अक्षर हैं जो किसी भी समय समानांतर चल रहे हैं जिन्हें एक बिंदु पर एक साथ लाया गया था। विभाजन के लिए जो सिद्धांत कहता है वह वास्तव में हमारे अनुशासन में कमी की आलोचना के बारे में जो हम जानते हैं उसका खंडन करता है, जहां हम इस बारे में बात करते हैं कि कैसे एक संपादक परीक्षणों को संपादित करता है और उन्हें एक साथ जोड़ता है। इस परीक्षण में वास्तव में क्या हो रहा है, अगर सटीक है, तो यह है कि संपादक को चीजों को सुचारू करना चाहिए और इसे वैसे ही नहीं छोड़ना चाहिए जैसा वह है।

लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब हम जानते हैं कि प्राचीन दुनिया में एक बयानबाजी तंत्र काम करता है जिसमें किसी बात को स्पष्ट करने के लिए इस तरह के बदलाव किए जा सकते हैं। इसलिए मेरा मानना है कि चाहे हम इसका अंतिम अनुवाद करें या आगे से अध्याय 3 पद 1 से शुरू करें, हमें अध्याय 3 पद 1 को अध्याय 2 के अंत और अध्याय 3 की शुरुआत को जोड़ने वाले सूत्र के रूप में देखना चाहिए। और जब पॉल बदलेगा, तो वह बहुत तीखे लहजे में सामने आएगा।

हां, यह पत्र की शुरुआत से अलग है, लेकिन यह असामान्य नहीं है क्योंकि पॉल एक मजबूत बयानबाजी के साथ ध्यान आकर्षित करने जा रहा है। और मैं आपको अंग्रेजी में दिखाता हूँ, और

मुझे फिर से एक और ग्रीक साइड-बाय-साइड के लिए क्षमा करें, लेकिन मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि हम इसे अंग्रेजी में देखें। शब्द है, आप कह सकते हैं, देखो, सावधान रहो, या देखो।

ईएसवी का अनुवाद इस प्रकार किया गया है: कुत्तों से सावधान रहो, दुष्टों से सावधान रहो, शरीर को विकृत करने वालों से सावधान रहो। इसी तरह से पौलुस पद 2 की शुरुआत करता है। एकता, आज्ञाकारिता और इन सब बातों का एहसास होने के बाद, वह एक सख्त चेतावनी जारी करने की आवश्यकता के बारे में बहुत दृढ़ता से महसूस करता है। ग्रीक, यदि आप ग्रीक पढ़ते हैं और आप देखते हैं कि मैंने बोर्ड पर क्या लिखा है, तो आप देखते हैं कि यह कैसे तुकबंदी करता है।

आप देख सकते हैं कि कैसे 'देखभाल' का अनुवाद करने वाले अनिवार्य शब्दों को एक साथ रखा गया है और कैसे कुत्तों, दुष्टों और अंग-भंग के लिए अन्य शब्द एक ही अक्षर के साथ दिखाई देते हैं। और यह लगभग तुकबंदी है। यह ग्रीक में एक मजबूत अलंकारिक शक्ति है जिसे वह चर्च को सतर्कता के इस आह्वान में आगे बढ़ाने के लिए आगे रखता है।

सतर्कता के लिए पॉल के आह्वान में, वह वास्तव में इन संभावित खतरों की ओर चर्च का ध्यान आकर्षित करेगा। ये संभावित खतरे ये घुमंतू यहूदी मिशनरी हो सकते हैं जो व्यवस्था के कार्यों को बढ़ावा दे रहे हैं, जैसे खतना, सब्त, संपूर्ण मूसा के नियमों का पालन, और अन्य, जो हम जानते हैं कि पॉल की सबसे बड़ी समस्या है। पॉल खुद को अन्यजातियों के लिए एक प्रेरित के रूप में वर्णित करता है।

उसे गैर-यहूदियों के साथ सुसमाचार बाँटने के लिए बुलाया गया है। लेकिन यहाँ समस्या क्या है? समस्या यह है। ईसाई धर्म की शुरुआत एक यहूदी आंदोलन के रूप में हुई थी।

यीशु एक यहूदी थे। उनके अधिकांश शुरुआती अनुयायी यहूदी थे। यीशु ने सभी यहूदी अनुयायियों को बुलाने का फैसला किया।

वे सभी खतना किए हुए थे। और अगर आप यहूदी थे, तो आप भी कुछ जानते होंगे। आप यह भी जानते होंगे कि जब आप मसीहा और उस सब के बारे में बात करते हैं, तो अपने लोगों के साथ परमेश्वर की वाचा को याद रखना भी महत्वपूर्ण है।

जैसा कि हम जानते हैं, उत्पत्ति 17 में इस वाचा को बहुत स्पष्ट रूप से संशोधित किया गया था। खतना वाचा का एक बहुत ही महत्वपूर्ण चिह्न है। कोई कैसे आकर कह सकता है कि मसीहा आ गया है? और वे मसीहा पर विश्वास करते हैं।

और वे मसीहा का अनुसरण करते हैं। और उन्हें खतना करवाने की ज़रूरत नहीं है। मेरा मतलब है, अगर आप यहूदी हैं, तो कुछ यहूदियों के लिए यह एक बड़ी समस्या थी।

अतीत में पॉल की अपनी यही समस्या थी। अगर आपको याद हो, तो वह यीशु के इस पूरे आंदोलन के एजेंडे से परेशान था, जो वास्तव में सीमाओं को पार कर गया था और वह सब। इसलिए, उसे भी यही समस्या थी।

यह संभव है कि यहूदी मिशनरी इसे शुरू करने की कोशिश कर रहे थे। हो सकता है कि झूठे शिक्षक हों जो खुद को व्यापक चर्च के साथ पहचानते हों। मूसा सिल्वा वास्तव में सोचता है कि झूठे शिक्षक हैं जो खुद को व्यापक चर्च के साथ पहचानते हैं।

एक अवसर आता है; वे चर्च में आना चाहते हैं और यह देखने की कोशिश करते हैं कि वे फिलिप्पी में क्या कर सकते हैं क्योंकि हमारे पास शहर में एक मजबूत यहूदी आधार नहीं है। हालाँकि, यह स्पष्ट है कि पॉल यहूदी धर्म या यहूदी कानूनवाद के खिलाफ कोई वाद-विवाद नहीं कर रहा है, लेकिन उसकी मुख्य चिंता चर्च के खिलाफ संभावित खतरे को लेकर है। तो, आइए पद 2 पर जाएँ और वहाँ फिर से पॉल के निर्देश को देखें।

और मैंने पढ़ा, कुत्तों से सावधान रहो। बुरे काम करने वालों से सावधान रहो। उन लोगों से सावधान रहो जो शरीर को विकृत करते हैं।

कुत्तों पर ध्यान दें। वाह। अगर आपके पास कोई कुत्ता पालतू है, तो आप शायद कहेंगे, ओह माय डॉग, मुझे मेरा कुत्ता पसंद है।

लेकिन रुकिए, पॉल ने यहाँ जिस तरह से कुत्ते का इस्तेमाल किया है, वह तारीफ़ नहीं है। तो, इस बारे में सोचिए। बुरे काम करने वालों से सावधान रहें।

सावधान रहें, सतर्क रहें। और जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, विकृति के प्रति सजग रहें। और आप शायद ध्यान दें कि मैं इसे विकृति कहता हूँ, भले ही आपकी बाइबल में शरीर के अंग-भंग करने वालों के बारे में लिखा है, क्योंकि ग्रीक शब्द वास्तव में विकृति है।

यह उन लोगों पर बयानबाजी के लिए है जो खतने पर जोर देते हैं। और पॉल यह कहने की कोशिश कर रहा है, आप जानते हैं, वे वास्तव में क्या हैं, वे लोगों की चमड़ी को काट देते हैं, वे शरीर को विकृत कर देते हैं। वे विकृति हैं।

वह भाषा वही है जिसे वह बदल देता है, और हम अंग्रेजी में अर्थ समझने के लिए पलटते हैं और अंग्रेजी पाठक को अर्थ समझाने के लिए मांस शब्द का प्रयोग करते हैं। क्योंकि यदि ऐसा नहीं होता, तो निम्नलिखित आयतें अर्थपूर्ण नहीं होंगी। लेकिन मैं बस यह समझाने की कोशिश करूँगा कि सतर्कता के इस आह्वान में क्या शामिल है, खासकर यह देखते हुए कि पॉल यहाँ क्या कहने की कोशिश कर रहा है।

कुत्तों से किस तरह सावधान रहना चाहिए? यह तारीफ़ का शब्द नहीं है। यह निंदा का शब्द है। कुत्तों के साथ घृणा का व्यवहार किया जाता था और कभी-कभी उन्हें मैला ढोने वाला समझा जाता था।

कुत्तों की तरह, ये चार टांके भी वहाँ घुसपैठ कर सकते हैं जहाँ उन्हें नहीं चाहिए। कुत्तों की प्राचीन अवधारणा दुनिया में कुत्तों की हमारी अवधारणा नहीं है, पश्चिमी दुनिया में, मुझे कहना चाहिए, मुझे आज की दुनिया में नहीं कहना चाहिए, क्योंकि मैं कुछ देशों में जाता हूँ और कुत्तों के

साथ वैसा ही व्यवहार किया जाता है जैसा कि प्राचीन लोग कुत्तों के साथ करते थे। यहाँ, अगर मैं किसी किराने की दुकान पर जाता हूँ, तो मुझे आपको अमेरिका में अपने कुछ आश्चर्यों के बारे में बताना चाहिए, जैसा कि मैंने यहाँ किया।

अमेरिका में मेरे शुरुआती अनुभवों में सबसे बड़ा आश्चर्य अनाज खरीदने के लिए किराने की दुकान पर जाना था। सबसे पहले, मैं अनाज की दुकान पर गया, और मैंने पाया कि पूरा गलियारा अनाज से भरा हुआ है। वहाँ मेरी सबसे बड़ी समस्या अनाज की कमी नहीं थी, बल्कि चुनाव करना था।

और फिर, दूसरे गलियारे पर चलते हुए, मैंने कुछ ऐसा देखा जो अनाज की पैकेजिंग जैसा लग रहा था। और मैंने एक बहुत बड़ा सत्र देखा, यह सब कुत्ते का खाना था। मुझे लगा कि यह प्रभावशाली था।

अमेरिका में कुत्तों को सौभाग्य प्राप्त है, लेकिन वे यह नहीं जानते। प्राचीन दुनिया में, अफ्रीका के कुछ हिस्सों में, एशिया के कुछ हिस्सों में, कुत्तों के साथ वैसा ही व्यवहार किया जाता है जैसा कि प्राचीन काल में किया जाता था। उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है; कभी-कभी, वे उन्हें सिर्फ शिकार करने या घरों की रखवाली करने के लिए इस्तेमाल करते हैं, इसलिए वे उन्हें लोगों को डराने या घर में घुसने की कोशिश करने वाले किसी व्यक्ति को काटने के लिए प्रशिक्षित करते हैं, लेकिन उन्हें कभी भी वह पूरक भूमिका नहीं दी जाती।

कुत्तों से जुड़ी एक छवि उनकी क्षमता और उन जगहों पर घुसपैठ करने की उनकी इच्छा है जहाँ आप उन्हें नहीं चाहते। वे बस चले आते हैं। यह उससे बहुत अलग है जिस तरह से हम अमेरिका में कुत्तों को प्रशिक्षित करते हैं और वे हमसे कैसे प्यार करते हैं, चाहे कुछ भी हो।

वे हर समय शालीनता से हमारा स्वागत करते हैं। यह एक पूरी तरह से अलग अवधारणा है। तो, यहाँ कुत्तों के बारे में उन शब्दों में सोचें।

पॉल कहते हैं कि जो लोग इस झूठी शिक्षा को लाने और यहूदीकरण के तत्व को लाने के लिए आते हैं, वे वास्तव में कुत्ते हैं। मैं चाहता हूँ कि आप उन पर नज़र रखें। सतर्क रहें।

सावधान रहें। मैं आपको एक विशेष भजन में कुत्तों की छवि दिखाता हूँ। मैं आपको बहुत अधिक उदाहरण नहीं दूँगा।

भजन 59 में, खास तौर पर, आपको वहाँ एक कुत्ते की छवि की अवधारणा मिलती है। हर शाम वे आते हैं। यह दुश्मनों और दुष्टों को संदर्भित करता है।

वे कुत्तों की तरह चिल्लाते हुए और शहर में घूमते हुए वापस आते हैं। क्या आपको कुत्तों की कोई छवि मिलती है? मैं आपको उसी भजन में एक और छवि दिखाऊँगा—श्लोक 14 और 15.

हर शाम वे वापस आते हैं। वही कतार, कुत्तों की तरह भौंकते हुए, शहर में घूमते हुए। वे भोजन की तलाश में इधर-उधर भटकते हैं और अगर उन्हें पेट भर न मिले तो गुरनि लगते हैं।

आप जानते हैं, मैंने श्लोक 16 को चुपके से वहाँ डाल दिया क्योंकि मुझे वह पसंद है। क्योंकि दुष्ट लोग इसी तरह आते हैं, कुत्तों की तरह। लेकिन श्लोक 16 में कहा गया है, लेकिन मैं तुम्हारी ताकत का गुणगान करूँगा।

मैं सुबह-सुबह तुम्हारे अटल प्रेम का गान जोर-जोर से करूँगा, क्योंकि तुम संकट के दिन मेरे लिए एक गढ़ और शरणस्थल रहे हो। कुत्तों का उस समय आना, जब तुम उनसे कम से कम उम्मीद करते हो।

उन कुत्तों से सावधान रहें। पॉल कहते हैं, इन खतरनाक घुसपैठियों से सावधान रहें। और फिर उन्होंने बुरे काम करने वालों का जिक्र किया, शायद उनके बुरे इरादे का संकेत देते हुए।

या, यह उनके बुरे इरादे और इस इरादे के परिणाम का संयोजन भी हो सकता है जब इसे क्रियान्वित किया जाता है। वे बुरे हैं, जो यह बताता है कि ये लोग अंदरूनी लोग नहीं हो सकते हैं। ये लोग हैं, पॉल। जब पॉल लोगों को बुरा कहता है, तो वह वास्तव में उन्हें बहुत बड़ा शैतान बताता है।

ये वे लोग नहीं हो सकते जिन्हें वह चर्च में भाई-बहन कहेगा। पॉल ने कहा कि आपको इन बाहरी लोगों से सावधान रहना चाहिए जो इस शिक्षा के साथ परेशानी पैदा करने के लिए आते हैं। उनके खिलाफ एक फ़ायरवॉल बनाएँ।

फ़ायरवॉल को आज्ञाकारिता में निहित होना चाहिए। जल्द ही, वह मसीह परीक्षण या भजन में उठाए गए विषय को भी उठाने जा रहा है जिसका उल्लेख हमने अध्याय दो में किया है: गर्व के बजाय विनम्रता की भावना। उन्होंने कहा, उनके बारे में सावधान रहें।

क्योंकि वे खतना कर रहे हैं, आप देखिए, उनका एक एजेंडा है। उन्हें लगता है कि लोगों को मसीह में अपना स्थान पाने के लिए खतना करवाना ज़रूरी है।

पॉल इसके लिए उनकी आलोचना करेंगे और कहेंगे कि यह सही बात नहीं है। उनका शरीर वह नहीं है जिसकी परमेश्वर तलाश कर रहा है। यदि कुछ भी हो, तो पॉल का अन्यजातियों को संदेश और अन्यजातियों को यीशु मसीह का सुसमाचार इस तथ्य को दर्शाता है कि यदि खतना की आवश्यकता है, तो यह हृदय का खतना होगा न कि शरीर का खतना।

पॉल आगे एक बात कहते हैं। और मैंने उसे पढ़ा। तीसरी आयत से सावधान रहें, क्योंकि हम खतना किए हुए लोग हैं।

वे शरीर को विकृत करने वाले हैं। वास्तव में हम ही सच्चे खतना वाले हैं। जो परमेश्वर की आत्मा से आराधना करते हैं और मसीह यीशु में महिमा पाते हैं और शरीर पर भरोसा नहीं रखते।

हम सच्चे खतना करने वाले हैं। वे शरीर को विकृत करने वाले हैं। क्या आप समझते हैं कि पॉल यहाँ क्या कर रहा है? वह उन्हें सबसे बुरे रूप में दोषी ठहराने के लिए बयानबाजी के पैटर्न पर खेल रहा है।

आप देखिए, सच्चा खतना परमेश्वर की आत्मा के द्वारा परमेश्वर की आराधना करना है। यह अवधारणा शायद आपके लिए तब तक बहुत मायने नहीं रखती जब तक आप यह नहीं सोचते कि आरंभिक चर्च को खतने से जुड़े कुछ मुद्दों पर कितना संघर्ष और संघर्ष करना पड़ा था। प्रेरितों के काम की पुस्तक, अध्याय 10 और अध्याय 11 में, पतरस को एक दर्शन हुआ और वह कुरनेलियुस के घर गया।

और पतरस खुद भी अनिच्छुक था। पतरस खुद भी इस बात से अनिच्छुक था कि परमेश्वर उसे गैर-यहूदियों के पास भेजेगा, भले ही परमेश्वर सुसमाचार का संदेश साझा करने से डरता था। लेकिन बदले में, पतरस को यह नतीजा मिलता है।

आप जानते हैं, परमेश्वर ने अपनी आत्मा उन पर भी उंडेली है, ठीक वैसे ही जैसे उसने हमारे लिए की है। दूसरे शब्दों में, आत्मा की शक्ति की उपस्थिति स्पष्ट है कि परमेश्वर उनके बीच काम कर रहा है। हमारे पास एक और स्थिति है जो यरूशलेम परिषद को मुद्दे भेजेगी, और मैं इसके बारे में पढ़ना चाहूँगा।

और जब बहुत बहस हो चुकी, तो पतरस ने खड़े होकर पूछा कि इन अन्यजातियों के साथ हम क्या करें? पतरस ने खड़े होकर उनसे कहा, हे भाइयो, तुम जानते हो कि आरंभिक दिनों में परमेश्वर ने तुम में से एक को चुन लिया। कि मेरे मुख से अन्यजाति सुसमाचार का वचन सुनें। और विश्वास करो, परमेश्वर जो हृदयों को जानता है, उसने उन्हें पवित्र आत्मा देकर उनकी गवाही दी, जैसा उसने हमें दिया।

और उसने हमारे और उनके बीच कोई भेद नहीं किया, क्योंकि उसने उनके हृदयों को विश्वास के द्वारा शुद्ध किया है। तो फिर, तुम क्यों चेलों की गर्दन पर जूआ रखकर परमेश्वर की परीक्षा कर रहे हो, जिसे न तो हमारे पूर्वज उठा पाए और न हम? परन्तु हम विश्वास करते हैं कि हम प्रभु यीशु के अनुग्रह से उद्धार पाएँगे। वे प्रभु यीशु के अनुग्रह से उद्धार पाएँगे।

जैसा कि हमने किया, प्रेरितों के काम में पतरस का कहना है, जैसा कि लूका ने लिखा है, कि प्रेरितों के काम की पुस्तक में पवित्र आत्मा की उपस्थिति वास्तव में इस बात का प्रमाण है कि परमेश्वर ने अपने उद्धार को अन्यजातियों के लिए भी सुलभ बना दिया है। अन्यजातियाँ भी इसमें शामिल हैं।

पॉल का कहना है कि हम, सच्चे खतना वाले, गैर-यहूदी मण्डली से बात करते हुए, जो मुख्य रूप से फिलिप्पी में स्थित है, सच्चे खतना की पूजा करते हैं, जिसकी वे परमेश्वर की आत्मा द्वारा पूजा करते हैं। वे खतने में भी घमंड नहीं करते, न ही कानून के पालन में, न ही किसी ऐसी बात में जो यहूदी लोग सामने ला सकते हैं, बल्कि वे मसीह यीशु में घमंड करते हैं। और सच्चा खतना, ग्रीक शब्द है, जिसे अंग्रेजी में व्यक्त करना मुश्किल है।

और इसलिए, अनुवादक आत्मविश्वास शब्द का उपयोग करना पसंद करेंगे। वे शरीर से प्रभावित नहीं होते। वे इस बात से प्रभावित नहीं होते कि शरीर वास्तव में ऐसी चीज़ है जिस पर जोर दिया जाना चाहिए या जिस पर गर्व किया जाना चाहिए क्योंकि शरीर में कुछ हद तक कमज़ोरी और दुर्बलता होती है।

जो लोग सच्चे खतना वाले हैं वे पहले परमेश्वर की आत्मा से आराधना करते हैं। वे यीशु मसीह में घमंड करते हैं और उन्हें शरीर पर भरोसा नहीं है। वाह!

देखिए पॉल यहाँ क्या कर रहा है। और मैं आपको पॉलिन धर्मशास्त्र के एक महत्वपूर्ण भाग के बारे में याद दिलाता हूँ, जो यह है कि जिन लोगों में परमेश्वर की आत्मा काम कर रही है, वे परमेश्वर के समुदाय के हैं। वास्तव में, जब परमेश्वर के बच्चे परमेश्वर की आज्ञाकारिता में एक साथ काम करते हैं, तो वह आत्मा की संगति कहेगा।

और वह अक्सर शरीर के कामों के साथ इसकी तुलना करेगा जिसके लिए वह आपको दोषी ठहराता है। मैं आपको गलातियों में से एक उदाहरण देता हूँ, उदाहरण के लिए, जहाँ पौलुस कहता है, लेकिन मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो, और तुम शरीर की इच्छाओं को पूरा नहीं करोगे। क्योंकि शरीर की इच्छाएँ आत्मा के विरुद्ध हैं, और आत्मा की इच्छाएँ शरीर के विरुद्ध हैं।

क्योंकि ये एक दूसरे के विरोधी हैं, और तुम्हें वह करने से रोकते हैं जो तुम करना चाहते हो। और यदि तुम आत्मा के चलाए चलते हो, तो व्यवस्था के आधीन न रहे।

अब, शरीर के काम स्पष्ट हैं। यौन अनैतिकता, अशुद्धता, कामुकता, मूर्ति पूजा, जादू-टोना, दुश्मनी, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध के दौरे, प्रतिद्वंद्विता, मतभेद, विभाजन, ईर्ष्या, नशे में धुत्त होना, और इस तरह की सभी चीज़ें। मैं तुम्हें चेतावनी देता हूँ, जैसा कि मैंने तुम्हें पहले चेतावनी दी थी, कि जो लोग दर्शन करते हैं वे परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे।

22. परन्तु आत्मा का फल, अर्थात् जिन में आत्मा कार्य करता है, वे स्वाभाविक रूप से यह फल लाते हैं। अर्थात् प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम।

दर्शन के विरुद्ध कोई कानून नहीं है। और जो लोग मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी वासनाओं और इच्छाओं सहित क्रूस पर चढ़ा दिया है। फिलिप्पियों की ओर लौटते हुए, पौलुस कहता है, क्योंकि हम खतना किए हुए लोग हैं जो आत्मा से आराधना करते हैं।

हाँ। और मसीह में महिमा हो। हाँ।

और शरीर पर भरोसा मत रखो। जैसा कि फ्रैंक टिलमैन कहते हैं, पद 3 में पौलुस का कहना है कि यह समय आ गया है और नए युग में परमेश्वर के लोगों में प्रवेश के लिए हृदय का खतना एक महत्वपूर्ण योग्यता है। शारीरिक खतना अप्रासंगिक है।

वाह! इसी ढाँचे में, इसी नोट पर, पॉल कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण बयान देगा: विकृति, कुत्ते, उनके शरीर में महिमा।

परन्तु पद 4 में पौलुस कहता है, यद्यपि मैं स्वयं शरीर पर भरोसा रखता हूँ। यदि कोई और सोचता है कि उसे शरीर पर भरोसा है, तो मेरे पास उससे भी अधिक है। मैं इस्राएल के लोगों में से, अर्थात् बेन-शब्बत के गोत्र का, आठवें दिन खतना किया हुआ हूँ, मैं व्यवस्था के विषय में इब्रानियों में से इब्रानी हूँ, और जोश के विषय में फरीसी हूँ, और व्यवस्था के अधीन धार्मिकता के विषय में कलीसिया का सतानेवाला हूँ, और निर्दोष हूँ।

लेकिन जो कुछ भी लाभ मुझे मिला, उसे मैंने मसीह के लिए हानि माना। वास्तव में, मैं हर चीज़ को हानि मानता हूँ। वाह!

पॉल अब कहते हैं, इन कुत्तों और अंग-भंग करने वालों के बजाय, इन दुष्ट कामगारों के बजाय, सच्चे खतना करने वालों का परमेश्वर के साथ मज़बूत रिश्ता है, और वास्तव में, वे मसीह यीशु में घमंड करते हैं, वे आत्मा से आराधना करते हैं, उन्हें शरीर पर कोई भरोसा नहीं है, लेकिन वैसे, अगर कोई आपके पास आकर कहे कि उन्हें शरीर पर भरोसा है, तो उन्हें याद दिलाएँ कि पॉल के पास इससे ज़्यादा भरोसा है। और अब पॉल अपने प्रमाण-पत्र देने आगे बढ़ते हैं। पॉल कह रहे थे कि उनके पास घमंड करने के लिए कुछ था।

वास्तव में, उसे जन्म से ही कुछ विशेषाधिकार प्राप्त हुए हैं। ऐसी चीज़ें हैं जो उसे मिली हैं जो उसे घमंड करने का हर आधार देती हैं, लेकिन वह शरीर में घमंड नहीं करेगा। और ऐसे विशेषाधिकार और चीज़ें हैं जो उसने अनुशासन के द्वारा अर्जित की हैं।

उसके पास उन पर गर्व करने का हर कारण होना चाहिए, लेकिन वह ऐसा नहीं करेगा। उसने कहा कि मेरा खतना आठवें दिन हुआ था। यह यहूदी रीति-रिवाज है, और यह अब्राहमिक वाचा है कि एक यहूदी का खतना आठवें दिन किया जाना चाहिए।

लेकिन इस समय, जब यहूदी हर जगह फैले हुए थे, और इतने सारे गैर-यहूदी प्रभाव और वह सब, इस बात की कोई गारंटी नहीं थी कि एक यहूदी का खतना किया जाएगा। उनका खतना करने का प्रयास किया जाएगा, लेकिन जरूरी नहीं कि आठवें दिन ही किया जाए। पॉल कहते हैं, मेरे मामले में, माता-पिता ने इसे सही किया।

मैं उन नियमों या शर्तों को पूरा करता हूँ जो परमेश्वर के साथ वाचा को सही करती हैं। आठवें दिन मेरा खतना हुआ। मैंने उस शर्त को पूरा किया।

मैं इस पर गर्व कर सकता हूँ। मैं इस पर गर्व नहीं करूँगा। मैं एक यहूदी हूँ, इब्रानियों का इब्रानी।

वाह। यह अभिव्यक्ति हमें सोचने के लिए कुछ देती है। जब पॉल कहता है, मैं इब्रानियों का इब्रानी हूँ, तो उसका क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि, ऐसे संदर्भ में जहाँ अधिकांश यहूदी अरामी बोलते हैं, वह यह सुझाव दे रहा है कि वह हिब्रू लहजे में हिब्रू बोलता है? या क्या वह यह सुझाव दे रहा है कि वह सभी मानकों के अनुसार एक प्रामाणिक यहूदी है, और दूसरे शब्दों में, वह एक ऐसे वर्ग से आता है जिसे यह कहने के लिए खड़ा होना चाहिए कि इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि यह आदमी एक सच्चा यहूदी है?

विद्वान् इसे दूसरी तरफ़ मोड़ सकते हैं, लेकिन जो बात स्पष्ट है वह यह है। जब वह कहता है, मैं इब्रानियों का इब्रानी हूँ, तो इसमें कोई संदेह नहीं है। यह आदमी कह रहा है कि एक इब्रानी के रूप में मुझे उपाधि और दर्जा, राष्ट्रीय पहचान और धार्मिक पहचान का हर अधिकार है।

और वैसे, इसमें शामिल है, मैं हिब्रू भाषा में हिब्रू लहजे में बोलता हूँ। मुझे आपके अनुभव के बारे में नहीं पता और आप इन व्याख्यानों में हमें कहाँ फॉलो कर रहे हैं। यदि आप इंग्लैंड में रहते हैं, तो आप मेरी तरह समझते हैं कि क्वीन्स इंग्लिश ही मानक है।

अगर कोई कॉकनी बोलता है, तो हम वास्तव में उस व्यक्ति को अशिक्षित और असभ्य मानते हैं। ऐसी संस्कृति में जहाँ हम स्वीकार नहीं करना चाहते, लेकिन यह है कि अभी भी अभिजात वर्ग की वर्ग प्रणाली है और कौन क्या पहुँच देता है। रानी के उच्चारण के साथ अंग्रेजी बोलना एक बड़ी बात है।

पॉल के पास इससे भी बेहतर था। वह एक सच्चा यहूदी था जो हिब्रू बोलता था, शायद प्रामाणिक, स्पष्ट हिब्रू लहजे में। उसके पास घमंड करने के लिए कुछ है।

अगर किसी ने आपको यह नहीं बताया कि आपका उच्चारण समस्याग्रस्त है, तो शायद आप इस बात की सराहना न करें। इन व्याख्यानों को पढ़कर, आप शायद यह महसूस करेंगे कि मेरा उच्चारण कुछ हद तक समस्याग्रस्त है। इस ओर मेरा ध्यान आकर्षित करने के लिए धन्यवाद।

मुझे उम्मीद है कि आप फिर भी इस व्याख्यान को ध्यान से सुनेंगे। क्योंकि मुझे लगातार याद दिलाया जाता है, यहाँ तक कि मेरे अपने देश में भी, कि मेरा उच्चारण अलग है। खैर, जब पॉल हिब्रू बोलता है तो उसका उच्चारण अलग होता है।

वह इस बारे में शेखी बघार सकता था। उसने कहा कि उसे जो विशेषाधिकार मिले हैं, उसके कारण वह बेंजामिन जनजाति से आता है, जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण जनजाति है। इस जनजाति में किसी के लिए शेखी बघारने का आधार है।

अगर आप नाइजीरिया से आते हैं और कहते हैं, मैं इग्बो हूँ, और कभी-कभी आप गर्व के साथ ऐसा कहते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किन अन्य आदिवासी समूहों से निपट रहे हैं। अगर आप घाना से आते हैं, जहाँ से मैं आता हूँ, और मैं कहता हूँ कि मेरा नाम डार्कन है, और अगर आपको यह समझ में नहीं आता है, तो मैं एक अकान हूँ, मैं एक स्पष्ट बयान दे रहा हूँ कि मैं स्पष्ट, सुसंस्कृत, सबसे सम्मानित जनजाति से आता हूँ, और उससे अपील करने के लिए, कहो, आपको मेरा सम्मान करना होगा। वैसे, मैं अपने दोस्तों को यह बताने वाला पहला व्यक्ति हूँ कि अगर पॉल हमारी जगह होते, तो वे इसे बकवास कहते।

लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूँ कि आज़ादी की भूमि और बहादुरों के घर, अमेरिका में, हमें ये समस्याएँ नहीं हैं। लेकिन ये वास्तविक समस्याएँ हैं जिनका सामना मुझे कहीं और करना पड़ेगा। अपने समुदाय से अपील करना कि वे वास्तव में दिखाएँ कि आपके आधार कहाँ हैं, सम्मान और गौरव के प्रतीक के रूप में, आज की दुनिया में भी एक आम बात है।

पॉल कहते हैं, अगर कोई अपने गोत्रीय मूल के बारे में गर्व कर सकता है, तो मैं बेंजामिन के गोत्र से हूँ। बेंजामिन का गोत्र महत्वपूर्ण था। और, बेशक, मैंने इब्रानियों के इब्रानियों का उल्लेख किया और उस पर विस्तार से बात की।

लेकिन अपने विशेषाधिकारों के बारे में उन्होंने कहा, मैं एक फरीसी हूँ। इस विचार को अपने पास रखो क्योंकि मैं तुम्हें बताऊँगा कि इसका क्या मतलब है। पॉल ने कहा, अगर कोई आकर कहता है कि उनमें सच्चे सुसमाचार के प्रसार में गड़बड़ी करने की हिम्मत है, तो उन्हें बता दें कि उनके जोश और उत्साह की तुलना कभी भी मेरे द्वारा किए गए काम से नहीं की जा सकती।

वह, जैसा कि उसने कहा, एक जोशीला उत्पीड़क था। क्या आपको दमिश्क के रास्ते पर उसकी कहानी याद है या पता है? मैं इस आदमी के संबंधों के बारे में आश्चर्यचकित होना कभी बंद नहीं करता। एक फरीसी के रूप में, जो तरसुस में बड़ा हुआ, उसे रब्बी गमलिएल के अधीन अध्ययन करने का अवसर मिला, जो खुद को फरीसी भी कहते हैं।

पॉल को सीरिया तक मसीह के अनुयायियों का पीछा करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय परमिट मिल सकता था। ओह, फिर वह मसीह से मिला। फिर उत्साही उत्पीड़क उस व्यक्ति से मिला जिसने कहा, पॉल, तुम मुझे क्यों सताते हो? उसने आरोप को स्पष्ट और स्पष्ट रूप से कहा था।

उनका जीवन बदल गया। अब से, वह अपनी भाषा में एक नई शब्दावली, अनुग्रह का परिचय देंगे। अनुग्रह से, हम बच जाते हैं।

अगर कोई फिलिप्पी के चर्च में परेशानी पैदा करने के लिए आता है, तो पॉल कहते हैं कि उन्हें याद दिलाइए, अगर उन्हें लगता है कि यह सम्मान का बिल्ला है, या घमंड करने की कोई बात है, तो उन्हें बताइए, और आपको पता होना चाहिए कि मैं एक जोशीला उत्पीड़क था। मैं उनसे ज़्यादा कर रहा था। और अगर वे आकर कहते हैं कि वे व्यवस्था के तहत धर्मी हैं, तो उन्हें बताइए कि मेरी भी उस पर प्रतिष्ठा थी।

और मैं इस बात पर गर्व कर सकता था। क्योंकि जहाँ तक मुझे जानने वाले लोगों का सवाल है, वे वास्तव में जानते थे कि कानून के मामले में धार्मिकता के मामले में मैं धर्मी और निर्दोष था। वाह।

तो, पॉल यह कह रहा है। जब वह कहता है कि वह बेंजामिन के गोत्र से है, तो वह कहता है कि वह उस गोत्र से आ रहा है जो इस्राएल के इतिहास में बहुत महत्वपूर्ण है, इस्राएल के पहले राजा का गोत्र। मुझे विन्सेंट का यह उद्धरण पसंद है जो 1800 के दशक, 1897 की टिप्पणी और अंतर्राष्ट्रीय आलोचनात्मक टिप्पणी श्रृंखला से जुड़ा है।

वह लिखते हैं कि बेंजामिन याकूब के प्रिय पुत्र का पुत्र था। बेंजामिन के गोत्र ने इस्राएल को उसका पहला राजा दिया। रहूबियाम के अधीन अलगाव के समय यह गोत्र अकेला यहूदा के प्रति वफादार था।

निर्वासन की एक और वापसी यहूदा के साथ हुई, जो फिलिस्तीन की नई कॉलोनी का मूल था। जनजाति ने हमेशा सेना में सबसे अधिक, क्षमा करें, सबसे अधिक, सम्मान का पद प्राप्त किया। इसलिए, डी. बेंजामिन के बाद युद्ध का नारा।

बारह कुलपिताओं में से केवल बेंजामिन ही प्रतिज्ञा की भूमि में पैदा हुआ था। पुरीम के पर्व में मनाया जाने वाला महान राष्ट्रीय उद्धार मोर्देकै नामक बेंजामिन के कारण था। पौलुस का अपना नाम, शाऊल, संभवतः बेंजामिन के राजा कीश के पुत्र से लिया गया था।

फिर भी कहा जाता है कि, पॉल, क्षमा करें, नए नियम में वर्णित तीन फरीसियों में से एक है। अन्य दो निकोडेमस और गमलिएल हैं। शास्त्रियों और समकालिक सुसमाचारों के साथ-साथ, लेखक फरीसियों को धर्मी, नकचढ़े और कभी-कभी कपटी के रूप में चित्रित करते हैं।

पॉल उन लोगों की आलोचना करेंगे जो धर्मी होने का दावा करते हुए आते हैं और कहते हैं, मैं एक फरीसी था, और मेरे पास उस धर्मी होने या उस हद तक धार्मिकता का दावा करने का हर कारण था। जैसे-जैसे हम इस लेख के अंत की ओर बढ़ते हैं, मैं आपको एक प्रसिद्ध इतिहासकार के बारे में याद दिलाना चाहता हूँ और वह इन फरीसियों के बारे में क्या कहता है। पॉल कहते हैं कि मेरे पास घमंड करने के लिए वह योग्यता है। अब फरीसी, जोसेफस लिखते हैं, वे नीचता से रहते हैं और भोजन में व्यंजनों को तुच्छ समझते हैं, और वे तर्क के आचरण का पालन करते हैं, और जो उनके लिए अच्छा है उसे वे करते हैं, और वे सोचते हैं कि उन्हें व्यवहार के लिए तर्कों का पालन करने का ईमानदारी से प्रयास करना चाहिए।

वे ऐसे लोगों का भी सम्मान करते हैं जो उम्रदराज हैं, दूसरे शब्दों में, वृद्ध लोग, न ही वे इतने साहसी हैं कि उनके द्वारा पेश की गई किसी भी बात का खंडन करें। वे यह भी मानते हैं कि आत्माओं में अमर कठोरता होती है, वे पुनरुत्थान में विश्वास करते हैं, और यह कि पृथ्वी के नीचे पुरस्कार या दंड होगा, इस बात के अनुसार कि उन्होंने इस जीवन में सद्गुणी और दुष्टतापूर्ण जीवन जिया है। तो अब आपको याद होगा कि पौलुस क्यों कहता है कि वह निर्दोष था।

और जो कुछ भी वे ईश्वरीय आराधना, स्तुति और बलिदान के बारे में करते हैं, वे उन्हें उनके निर्देश के अनुसार करते हैं, इतना कि शहर उनके पूरे सद्गुणी आचरण के कारण, उनके जीवन के कार्यों और उनके प्रवचनों दोनों में उनके लिए बहुत बड़ी गवाही देते हैं। इसलिए, जब पॉल कहता है, आप जानते हैं क्या? मैं, मैं एक फरीसी था, और मैं इस पर घमंड नहीं करता। किसी को भी आपको धोखा न दें।

खैर, वह इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित कर रहा है कि सतर्कता के आह्वान में, आप इन सभी कुत्तों, शरीर को नुकसान पहुँचाने वालों और बुरे काम करने वालों पर ध्यान नहीं देना चाहते क्योंकि हम सच्चे खतना वाले हैं। और अगर किसी को किसी बात पर गर्व करने का भरोसा है, तो पॉल कहते हैं, मेरे पास और भी है। मैं पॉल के शब्दों को पढ़कर सत्र का समापन करता हूँ।

क्या मेरे पास भी शरीर पर भरोसा करने का कोई कारण है? अगर कोई और सोचता है कि उसके पास शरीर पर भरोसा करने का कारण है, तो मेरे पास और भी है। इस्राएल के लोगों में से आठवें

दिन खतना किया गया, बिन्यामीन के गोत्र का, इब्रानियों का इब्रानी, व्यवस्था के अनुसार, एक फरीसी, जोश के अनुसार, चर्च का सतानेवाला, व्यवस्था के अनुसार धार्मिकता के अनुसार, निर्दोष। जब हम अपने अगले व्याख्यान में वापस आते हैं, तो हम इस पर और अधिक बारीकी से विचार करेंगे जब वह इस दावे को प्रस्तुत करता है।

परन्तु जो कुछ मेरे पास लाभ था, उसे मैं ने मसीह के कारण हानि समझ लिया है। वरन् मैं अपने प्रभु मसीह यीशु को जानने की उत्तम योग्यता के कारण सब कुछ हानि समझता हूँ। उसके कारण मैंने सब वस्तुओं की हानि उठाई और उन्हें कूड़ा समझता हूँ, जिस से मैं मसीह को प्राप्त करूँ।

पॉल कहते हैं कि मसीह को प्राप्त करना, आत्मा द्वारा आराधना करना, तथा सुसमाचार के योग्य जीवन जीना फिलिप्पी के चर्च की इच्छा, महत्वाकांक्षा और प्रयास होना चाहिए। सतर्कता के आह्वान में, वे पलक झपकाने की हिम्मत नहीं करते क्योंकि खतरा वास्तविक है। लेकिन उन खतरों के बीच, जब वे आज्ञाकारिता पर कायम रहते हैं और शरीर द्वारा थोपी गई या लाई गई सभी बातों की निंदा करते हैं, तो वे अंत में परमेश्वर की महिमा करने के लिए जीते हैं।

अब तक हमारे व्याख्यानों को सुनने के लिए आपका धन्यवाद। जब हम वापस आएं, तो हम देखेंगे कि पॉल इसे कैसे विकसित करेगा। वह खुद इन विश्वासियों के लिए अनुसरण करने के लिए एक आदर्श है।

अब तक उन्होंने जो चार मॉडल दिए हैं, उनके बारे में सोचें। उन्होंने कलीसिया के लिए मसीह को एक मॉडल के रूप में दिया है। उन्होंने कलीसिया के लिए तीमुथियुस को एक मॉडल के रूप में दिया है।

उन्होंने चर्च के लिए इपफ्रदीतुस को एक आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया है। और अब वे कहते हैं कि वे स्वयं आज्ञाकारिता और शरीर की बातों की निंदा करने की तत्परता के आदर्श हैं। ईश्वर आपको आशीर्वाद दें, और आइए हम एक साथ मिलकर अपनी शिक्षा का आनंद लेते रहें।

हमारे साथ अध्ययन करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

यह डॉ. डैन डार्को और जेल पत्रों पर उनकी व्याख्यान श्रृंखला है। यह सत्र 14 है, सतर्कता का आह्वान, फिलिप्पियों 3:1-6।